Date: 24.01.2016	**Edition:** Jaipur
Publication: Dainik Navjyoti	**Page No:** 09

स्पेस टेक्नोलॉजी से स्वास्थ्य क्षेत्र में विकास: कस्तूरीरंगन

ब्यूरो/नवज्योति, जयपुर

पद्मविभूषण से सम्मानित प्रोफेसर के. कस्तूरीरंगन ने कहा है कि भारतीय स्वास्थ्य क्षेत्र में सार्क देशों की तुलना में काफी अच्छा विकास है। स्वास्थ्य क्षेत्र में अगर स्पेस टेक्नोलॉजी से अगर ज्यादा जोड़ा जाए, तो टेलीमेडिसिन क्षेत्र में फायदा हो सकता है। ऐसे अस्पताल जो की छोटे गांवो में है, उन्हें स्पेस टेक्नोलॉजी की सहायता से शहरों के उच्च टेक्नोलॉजी वाले अस्पतालों से जोड़ कर मुश्किल कार्य आसान किए जा रहे हैं। वे शुक्रवार को सांगानेर स्थित आई आई एच एम आर यूनिवर्सिटी में 'स्पेस टेक्नोलॉजी एवं भारतीय स्वास्थ्य क्षेत्र का संयोग' विषय पर आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में विद्यार्थियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने यूनिवर्सिटी जैसी हैल्थ केयर एजुकेशन क्षेत्र में कार्यरत कई संस्थाएं सैटेलाइट के माध्यम से देश में किसी भी अस्पतालों से जुड़ कर डॉक्टर्स एवं नर्सेज उन्हें प्रशिक्षण दे सकती है। वहीं सार्वजनिक स्वास्थ्य पेशेवरों को सैटेलाइट के माध्यम से

मौसम की अग्रिम विश्लेषक जानकारी मिलने पर देश में मलेरिया की रोकथाम के उचित उपाय किए जा सकते है।

सामुदायिक भागीदारी के तहत जल आपूर्ति और स्वच्छता के क्षेत्र में पिछले 18 वर्षों से कार्यरत आई आई एच एम आर विश्वविद्यालय के डॉ. गौतम साधु को आई डब्ल्यू डब्ल्यू ए ने प्रतिष्ठित लिंगराज दास मेमोरियल पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

Date: 23.01.2016	**Edition:** Jaipur
Publication: Dainik Navjyoti	**Page No:** 10

उपग्रह की मदद से संचार क्षेत्र में विकास

अंतरिक्ष विज्ञान में भारत कर रह है तरक्की, एमएनआईटी में विशेष व्याख्यान

ब्यूरो/नवज्योति,जयपुर

पद्मविभूषण से सम्मानित प्रोफेसर के. कस्तूरीरंगन ने कहा है कि आज हम संचार क्षेत्र में तरक्की केवल उपग्रह कि मदद से ही कर पाए है। उपग्रह कि मदद से ही आज़ हम टेली मेंडिसिन और टेली एजुकेशन के क्षेत्र में भी आगे बढ़े हैं।

वे शुक्रवार को एमएनआईटी में 'अन्तरिक्ष-बहुआयामी विकास के लिए एक अभिनव मार्ग' विषय पर आयोजित विशेष व्याख्यान में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कहा कि भारत ने अन्तरिक्ष विज्ञान में बहुत तरक्की की है। भारत का अन्तरिक्ष सफर 1963 में डॉक्टर विक्रम साराभाई द्वारा शुरू हुआ था, जो अब तक जारी है। उन्होंने अपने व्याख्यान में इसरो के बारे में भी बताया कि किस प्रकार इसरो भारत के सर्वांगीण विकास में कार्य कर रही है। इससे पूर्व उन्होंने एमएनआईटी का दौरा किया।

एमएनआईटी के डायरेक्टर प्रोफेसर आई. के. भट्ट और एनएचआरडीएन के कार्यकारी निदेशक धनंजय सिंह, एमएनआईटी के ब्रांड एंड बिल्डिंग डिपार्टमेंट के हैड प्रोफेसर अशोक बापना मौजूद रहे। वहीं कस्तूरीरंगन शनिवार को आईआईएचएमआर यूनिवर्सिटी के हैल्थ एंड हॉस्पिटल के विद्यार्थियों एवं प्राध्यापको को संबोधित करेंगे।

Date: 24.01.2016	**Edition:** Jaipur
Publication: Punjab Kesari	**Page No:** 05

स्पेस टेक्नोलॉजी के सहयोग से भारतीय स्वास्थ्य क्षेत्र में विकास संभव

'स्पेस टेक्नोलॉजी एवं भारतीय स्वास्थ्य क्षेत्र का संयोग' पर सेमिनार सम्पन्न

जयपुर, (कासं): आईआईएचएमआर यूनिवर्सिटी में शनिवार को पद्मभूषण प्रो.के.कस्तूरीरंगन विद्यार्थी एवं प्राध्यापकों से रू-ब-रू हुए। इस कार्यशाला में 'स्पेस टेक्नोलॉजी एवं भारतीय स्वास्थ्य क्षेत्र का संयोग' के विषय पर चर्चा की गई। जिसमें आईआईएचएमआर यूनिवर्सिटी के एमबीए हैल्थ एंड हॉस्पिटल मैनेजमेंट एवं एमबीए रूरल मैनेजमेंट के विद्यार्थियों एवं प्राध्यापकों ने हिस्सा लिया। प्रो.के.कस्तूरीरंगन ने कहा की,' भारतीय स्वास्थ्य क्षेत्र में सार्क देशों की तुलना में काफी अच्छा विकास है। स्वास्थ्य क्षेत्र में अगर स्पेस टेक्नोलॉजी से अगर ज्यादा जोड़ा तो टेली मेडिसिन क्षेत्र में फायदा हो सकता है। ऐसे अस्पताल जो की छोटे गांवो में हैं, उन्हें स्पेस टेक्नोलॉजी की सहायता से शहरों के उच्च टेक्नोलॉजी वाले अस्पतालों से जोड़कर मुश्किल कार्य आसान किए जा रहे हैं। आईआईएचएमआर यूनिवर्सिटी जैसी हैल्थ केयर एजुकेशन क्षेत्र में कार्यरत कई संस्थाएं सेटेलाइट के माध्यम से देश में किसी भी अस्पतालों से जुड़कर डॉक्टर्स एवं नर्सेज उन्हें प्रशिक्षण दे सकती है।

सार्वजनिक स्वास्थ्य पेशेवरों को सेटेलाइट के माध्यम से मौसम की अग्रिम विश्लेषक जानकारी मिलने पर देश में मलेरिया की रोकथाम के उचित उपाय लिए जा सकते हैं। आईआईएचएमआर विश्वविद्यालय में स्वास्थ्य और अस्पताल प्रबंधन से जुड़ा एमबीए पाठ्यक्रम उपलब्ध है। इस पाठ्यक्रम में छात्रों के लिए विशेषज्ञता के 5 क्षेत्र उपलब्ध हैं। इनके अलावा एमबीए रूरल मैनेजमेंट और एमबीए फार्मास्यूटिकल मैनेजमेंट के पाठ्यक्रम भी संचालित किए जा रहे हैं।

Date: 24.01.2016	**Edition:** Jaipur
Publication: Samachar Jagat	**Page No:** 02

अन्तरिक्ष, बहुआयामी विकास के लिए एक अभिनव मार्ग

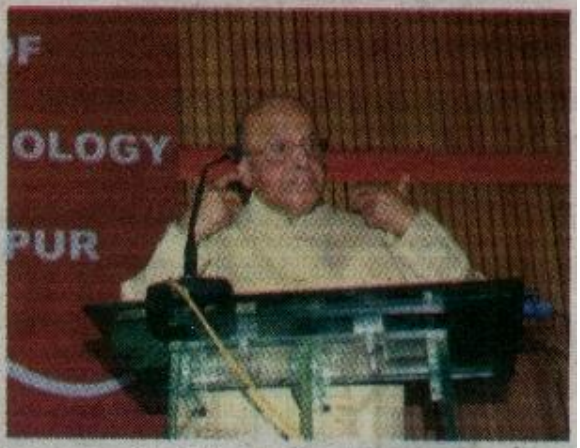

जयपुर (कासं)। एमएनआईटी में पद्म विभूषण प्रोफेसर के. कस्तूरीरंगन ने पांचवें उदय पारीक मेमोरियल लैक्चर के तहत 'अन्तरिक्ष - बहुआयामी विकास के लिए एक अभिनव मार्ग' विषय पर व्याख्यान दिया।

कार्यक्रम में एमएनआईटी के डायरेक्टर प्रो. आई. के. भट्ट और एनएचआरडीएन के कार्यकारी निदेशक धनंजय सिंह, एमएनआईटी के ब्रांड एंड बिल्डिंग डिपार्टमेंट के हैड प्रो. अशोक बापना मौजूद रहे। प्रो. के. कस्तूरीरंगन ने व्याख्यान से पूर्व एमएनआईटी की एडवांस रिसर्च लैब, ट्राइबोलॉजी लैब, आई.सी. इंजन लैब आदि का दौरा किया और कहा कि देश के सभी तकनीकी संस्थानों में ऐसी एडवांस लैबों का निर्माण होना चाहिए ज़िससे विद्यार्थियों को नयी तकनीकों कि अधिक से अधिक जानकारी प्राप्त हो सकें। उन्होंने आईआईएचएमआर यूनिवरर्सिटी के हैल्थ एंड हॉस्पिटल के विद्यार्थियों एवं प्राध्यापकों को भी संबोधित किया।

Date: 24.01.2016	**Edition:** Jaipur
Publication: Morning News	**Page No:** 02

स्पेस टेक्नोलॉजी सहयोग से भारतीय स्वास्थ्य क्षेत्र में विकास संभव : प्रो. कस्तूरीरंगन

आईआईएचएमआर में 'स्पेस टेक्नोलॉजी एवं भारतीय स्वास्थ्य क्षेत्र का संयोग' पर विचार-विमर्श

जयपुर (मोन्यू)। आईआईएचएमआर यूनिवर्सिटी में शनिवार को पद्म विभूषण प्रोफेसर के कस्तूरीरंगन विद्यार्थी एवं प्राध्यापकों से रूबरू हुए। इस कार्यशाला में 'स्पेस टेक्नोलॉजी एवं भारतीय स्वास्थ्य क्षेत्र का संयोग' के विषय पर चर्चा की गई जिसमें आईआईएचएमआर यूनिवर्सिटी के एमबीए हेल्थ एंड हॉस्पिटल मैनेजमेंट एवं एमबीए रूरल मैनेजमेंट के विध्यार्थीओ एवं प्राध्यापकों ने हिस्सा लिया।

पद्म विभूषण प्रोफेसर के कस्तूरीरंगन ने कहा कि भारतीय स्वास्थ्य क्षेत्र में सार्क देशों की तुलना में काफी अच्छा विकास है। स्वास्थ्य क्षेत्र में अगर स्पेस टेक्नोलॉजी से अगर ज्यादा जोड़ा जाये तो टेलीमेडिसिन क्षेत्र में फायदा हो सकता है। ऐसे अस्पताल जो कि छोटे गांवों में हैं उन्हें स्पेस टेक्नोलॉजी की सहायता से शहरों के उच्च टेक्नोलॉजी वाले अस्पतालों से जोड़ कर मुश्किल कार्य आसान किये जा रहे हैं। आईआईएचएमआर यूनिवर्सिटी जैसी हेल्थकेयर एजुकेशन क्षेत्र में कार्यरत कई संस्थाएं सॅटॅलाइट के माध्यम से देश में किसी भी अस्पतालों से जुड़ कर डॉक्टर्स एवं नर्सेज उन्हें प्रशिक्षण दे सकती हैं।

Date: 24.01.2016	**Edition:** Jaipur
Publication: Rashtradoot	**Page No:** 02

'स्पेस टेक्नोलॉजी से भारतीय स्वास्थ्य क्षेत्र में विकास संभव'

जयपुर, (का.सं.)। भारत की विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त और प्रमुख स्वास्थ्य अनुसंधान संस्थानों में से एक, आईआईएचएमआर यूनिवर्सिटी में आज पद्म विभूषण प्रोफे सर के कस्तूरीरंगन विध्यार्थी एवं प्राध्यापकों से रूबरू हुए। इस कार्यशाला में 'स्पेस टेक्नोलॉजी एवं भारतीय स्वास्थ्य क्षेत्र का संयोग' के विषय पर चर्चा की गई।

जिसमें आई आई एच एम आर यूनिवर्सिटी के एमबीए हेल्थ एंड हॉस्पिटल मैनेजमेंट एवं एमबीए रूरल मैनेजमेंट के विद्यार्थियों और प्राध्यापकों ने हिस्सा लिया। पद्म विभूषण प्रोफेसर के कस्तूरीरंगन ने कहा भारतीय स्वास्थ्य क्षेत्र में सार्क देशों की तुलना में काफी अच्छा विकास है। स्वास्थ्य क्षेत्र में अगर स्पेस टेक्नोलॉजी से अगर ज्यादा जोडा जाये तो टेलीमेडिसिन क्षेत्र में फायदा हो सकता है। ऐसे अस्पताल जो की छोटे गाँवो में है उन्हें स्पेस टेक्नोलॉजी की सहायता से शहरों के उच्च टेक्नोलॉजी वाले अस्पतालों से जोड कर मुश्किल कार्य आसान किये जा रहे है। आई आई एच एम आर यूनिवर्सिटी जैसी हेल्थकेयर एजुकेशन क्षेत्र में कार्यरत संस्थाएं सॅटॅलाइट से देश में किसी भी अस्पतालों से जुड कर डॉक्टर्स एवं नर्सेज उन्हें प्रशिक्षण दे सकती है। इससे मौसमी बीमारियों की रोकथाम हो सकेगी।